c

आधरशिला आवासिय बालिका शिवार में अजीम प्रेमजी फाउडंशन से हमारे यहा आते रहते है। कभी कभी उनके विधालयों में पढने वाले बालक/बालिकाऐं आते रहते है। इस बार भी 6बच्चे आए उन्होने बच्चों से बात किया यह लोग बैगलोर के महा विधालय में पढाई करते है। इन्होने आपसी बात चित किया बालिकाओं के साथ खेल खेला और खिलाया भी बच्चोंसे अन्य बातें भी किया था।

बाल मेला चितौडगढ में आधारशिला की बालिकाओं ने भाग लिया गया ।

आज 2 अक्टुम्बर के दिन बलिकाओं द्वारा बनाऐं गए गॉधी जी चित्रों का चितौडगढ जिले में प्रर्दशन करती हुई बालिकाऐं

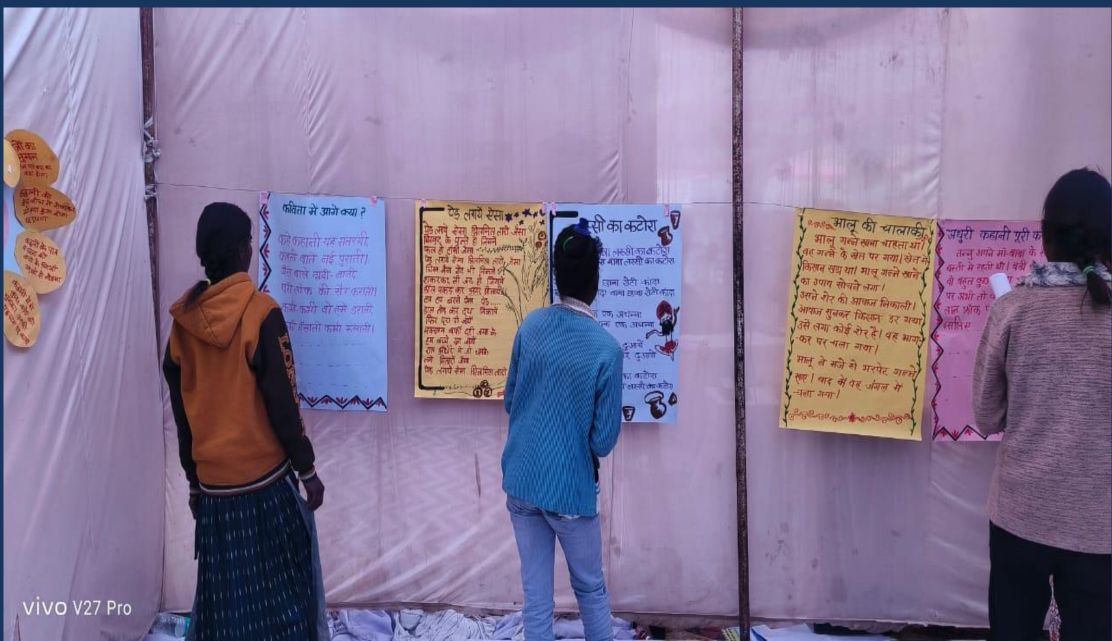

ऐसे एक्सप्रोजर टीम जब आती है। तो बच्वें बहुत सिखते भी है। और उनको नयापन भी मिलता है साथ में खुश भी बहुत होते है।

अजीमप्रेम जी फाउन्डेशन चितौडगढ में बडा बालमेले का आयोजन किया विशेषकर चितौडगढ स्कुल के ही बालक/ बालिकाअें का ही पर विशेष तौर पर आधारशिला की बालिकाओं को भी बुलाया गया कलेक्टर साहब से भेट करवाया गया बालिकाऐं अपने साथ चित्र बनाकर लेकर गई और उन्ही चित्रों को भेट किया जिला अधिकारी को इस तरह इनकी यह यात्रा भी बहुत अच्छी रही है।

अपना पहचान बनाती हुई आधारशिला की बालिकाऐं ।

पुस्तक मेला अजीमप्रेम जी फाउन्डेशन चितौडगढ में बडा मेला लगाया गया सविधान की पुस्तको महत्व दिया गया था। आधारशिला की बडी बालिकाओं ने इस मेले में भाग लिया था।

यह रोहित जैन और उनके दो साथी मनिष डडवाल परख भागर्व यह तीनों ही मिलकर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने आए थे यह लोग बच्चों के साथ कुछ गतिविधिया करते हुए। रोहित ने आधारशिला शिवीर की बालिकाओं पर भी एक फिल्म बनाया है। यह तीन लोग थे पुरा दिन लगकर कुछ कुछ ऑडिया लगाकर बच्चों पर सुट करते रहते थे। बालिकाओं को बहुत अच्छा लगता रहता था साथ में बच्चों के लिए बाजार से मिठाई नमकिन खरीद के लाते और बच्चों के साथ पार्टी करते रहते थे। बालिकाओं कों भी बहुत अच्छा लगता था। रोहित आधारशिला से 2018 से जुडाहुआ है। सब बच्चीयों से जुडा है। सब की चिन्ता करता प्रत्येक वर्ष किसी नए अथिति को लेकर आता है। आधारशिला का हिस्सा बन गया है रोहित अब।

रोहित और उनके साथी केशरपुरा गांव में मधु भील के घरपर उससे मिलने गए साथ शुट और फोटो लेते हुए। मधु को रोहित पहले से जानता इस लिए इसको मिलने इसके घर गए मधु ने कक्षा 12 पढ लिया है। इस साल वह कॉलेज में प्रवेश लिया है। आधारशिला से जुडी रहकर निरन्तर पढ रही है।

रोहित संरपच से पत्रकार से साथ में गांव के लोगो से बात करता हुआ।

जिला अधिकारी से प्रश्रसंसा पत्र प्राप्त करती हुई बालिकाऐं । सविधान पर इनहाने गांवो में नाटक प्रस्तुत किया इसके लिए मिला है।

यहा पर बालिकाओं ने आदिवासी राणापुन्जा सम्मेलन में सविधान पर नाटक की प्रस्तुति करने गई चितौडगढ जिला स्तर पर यहा पर आदिवासी 5000 के करीब इक्ठा होते है। वहा पर अपनी बालिकाओं को अवसर देना बहुत बडी बात होती है। पर आधारशिला का इतना पहचान हो गया है यह अपनी कौशलता का प्रस्तुति दिखा ही देती है। बगैर झिझक और डर के उत्साहित होकर लोगो को लगता है इनके अन्दर आत्मविश्वास बहुत है। निर्डर होकर बोलती है । इस तस्वीर में इनके साथ क्षैत्र विधायक श्री मान चन्द्रभान सिह जी है। यह

बालिकाओं से काफी प्रभावित हुए। उनको बहुत अच्छा लगा तब उन्होने बालिकाओं को अपने पास बुलाया और उनकी प्रशंसा भी किया था।

यह गांव में बालिकाओं द्वारा पेश करती हुई नुकड नाटक पुरे गावं के लोग आते थै। बहुत ही उत्साह से देखते थे। यह नाटक थीम के साथ बनता है। फीर गांव में दिखाया जाता है।क्यों की नाटक के माध्यम से गांव में सदेश देना होता था।

अब यह बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। पढने वाली बालिकाऐं बाल विवाह करने के पक्ष में नही होती है।

आधारशिला की दो बालिकाओं की शादी हुई है। परिवार के दबाव के कारण पर बालिकाओं ने बोला 18 साल बाद करूगी यह दोनो बालिका मधु भील और गायत्री नायक आधारशिला का असर तो दिखाई दे रहा है। बालिकाऐं पढना चाहती है। पर उनको परोपर गाईड करना पडता है। माता पिता भी किसी का भरोसा नही करते है आज के हालातों को देखते हुए पर आधारशिला ने यह भरोसा जीता माता/पिता का परिवार का उसके ससुराल का गांव का विश्वास के कारण अपनी बेटी को छोडकर जाते है। लडकी चाहे कीसी भी उम्र की हो 9 से लेकर 18 वर्ष तक की बालिका हमारे पास रहती है। अपनी पढाई के कारण

आधारशिला का कार्य – बालिकाओं को गायड करना उनके फार्म भरवाना किस कक्षा में प्रवेश लेना उस में दाखिला दिलाना परीक्षा केन्द्र दुर आता तो वहा पहुचाने की व्यवस्था करवाना आदि। यह सब काम करने में गाईड साथ होगा पर यह खुद जाने कैसे कर सकती है। यह जान कारी अपने पास रखे इस तरह इनको आत्मनिर्भर करके तैयार करते रहते है।

यह कार्यक्रम प्रतापगढ जिले कॉलेज में रखा गया था। इस में क्षैत्र के जिला अधिकारी अन्य सभी पद अधिकारी क्षैत्र के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया गया था। आधारश्लिा की बालिकाओं को नाटक दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया था। सभी बडे कलाकारो के साथ बालिकाओं ने अपना प्रस्तुति दिया था।

यह चितौडगढ जिले के चर्च प्रसिद फादर है। बालमेले में यह भी मुख्य अतिथि थे। बालिकाओं से प्रभावित होकर बालिकाओं से बातें की बैठकर बालिकाओं कों भी इन से मिलकर बात करना बहुत अच्छा लगा था।

बलिकाओं द्वारा गांव गठावली अपना नाटक प्रस्तुति करते हुए। पुरे 8 गांवों के अध्यापक अन्य पद अधिकारियों ने भाग लिया ।

संविधान पर नाटक

विषय– (1)सविधान पर, (2) बालविवाह (3) नाताप्रथा (4)नशामुक्ती पर (5)पंचायत के कार्य आदि।

समाज की सामाजिक कुप्रथा पर गांव में सदेश के रूप में यह नाटकों की प्रस्तुति किया गया। जिससे आज भी गांवों में इस तरह की सामाजिक कुप्रथा का प्रचलन है। लोगों को समझ आया क्यों की बालिकाओं ने रोलप्ले स्थानिय भाषा में कीया था ।

आज के समय में धार्मिक आस्था की तरफ लोगो का रूझान बठता जा रहा है। गांव वह शहरो में दानो जगह अपने हक अधिकार को समझना और उसके कानुन को जानना लोग इतना महत्व नही देते है। इसलिए

आधारशिला की बालिकाओं द्वारा सविधान का क्या महत्व है हमारी जिन्दगी में सविधान में प्रत्येक नागरीक के लिए क्या हक है और उसके समाधान के लिए क्या लिखा है। और ग्राम पंचायत का काम इस विषय पर बालिकाओं ने 40 गांव में नुकड नाटक द्वारा सदेश देने का प्रयास करा

कुल 40 बालिकाऐं थी दो समुह बनाए गए 20/20 बालिकाओं का सबसे पहले शाम को ही गाव में चली जाति थी । फीर घर घर सर्म्पक करती सब को बुलाना और प्रचार भी करती थी। एक अध्यापक साथ रहता इनके राम को 8बजे इनका कार्यक्रम सुरू होता था। गीत ओर कबीर के दौहो के साथ लोग इक्ठा हाने लग जाते थे । तब बालिकाऐं अपना परिचय देती अपना नाम और स्कुल का नाम बताती है। नाटक करने के बाद लोगो से सवाल करती

पुछती आपको हमारे नाटक दिखाने से जीन को समझाआता वो जवाब भी देते कभी कभी तो दोबारा करने की माग होती थी।

छो अक्टुम्बर को 155 वी जयंन्ती पर अजीमप्रेमजी फाउन्डेशन द्वारा चितौडगढ में बडा उत्सव मनाया गया उसमें गॉधी जी के जीवन से जुडी घटनाओं की प्रर्दशनी लगाया गया चित्रों द्वारा और झाकियों एवम कला प्रर्दशन करके सभी स्कुलों के बच्चों ने भाग लिया था। आधारशिला की बालिकाओं ने सविधांन पर नाटक और कार्डसीट पर चित्र द्वारा अपनी प्रस्तुति दी थी।

यह दोनो दोस्त इन्द्रा जी बीना जी अहमदाबाद गुजरात से आई आधारशिला में बालिकाओं से मिलने के लिए पुरा एक दिन रही बालिकाओं से सवाल जवाब किया। इन्द्रा जी कॉलेज के लेक्चरार रही है। और बीना जी बिजनस करती है।

छोनो को बहुत अच्छा लगा बालिकाओं से मिलकर फिर आने का बोलकर गई है।

आधारशिला शिवीर कि बालिकाओं की विभिन गतिविधिया करती हुई बालिकाऐं

बालिकाऐं दीवार पर चित्र बनाती हुई।

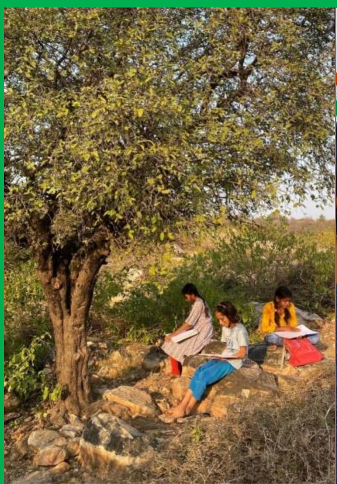

बलिकाओं की छुटटी के दिन का दिन चरिया नहाना अपने कपडे धोना एक दुसरे के बाल बनाना नाखुन काटना साथ

में खेलना इस तरह अपनी छुटटी का आन्नद लेती है। छोटे बच्चों का अपना ग्रुप बनाकर रहती है। बडी बालिकाऐं अपने ग्रुप में रहती अपनी बातें करती है काम करती है। दिवार पर पर पैटिग करती हुई जंगल में पेड के नीचे बैठकर पढाई करती हुई बालिकाऐं बालिकाओं को खेलना और पढना दोनो बहुत पसन्द रात को कहते है अब सोने चले तब कहती है थोडी देर और रूकते है पर रात के 10 बजे तक तो बच्चो को लाना ही होता इस लिए 10 बजे ले आते है। क्यों की इनके साथ छोटी बालिकाऐं भी हउेजी है वो सौ जाती है। इस आधारशिला में सुबह 6 बजे से लेकर रात 10 बजे तक बालिकाऐं कुछ न कुछ गतिविधिया करती रहती है। दिन में बिलकुल आराम नही करना दिन में सौना तो बिलकुल नही होता है। खेलो,पढों,गाओं,कविता बोलो चित्र बनाओं कुछ भी करो पर करते रहो यह अभियान सिखने सिखाने जैसा रहता है। बालिकाओं के लिए जिससे वह एक दुसरे से जुडी रहती है। और आपसी मेल जोल भी बढता है एक दुसरे का ख्याल भी रखती है देखने को मिलता है जब एक लडकी बीमार होती है सब दसकी देखभाल करती बीमार बच्ची को खाना देना पानी दवा सब वक्त पर उसको खाना देने के बाद खुद खाना खाऐगी यहा पर इस तरह का माहौल बनाया जाता है। जिससे बच्चा एक दुसरे से सिखता जाता है। दोनो बातें सिखता अच्छी और बुरी भी इस लिए बच्चे का दिमाक सिखने और सिखाने का रहता है।

सलाई केन्द्र सुरू किया इबार हमारे पास 10 से 12 बालिकाऐं बडी है इस लिए उनके हस्त कौशल में कुशल बनाने के लिए एवं सालम्बन बन सके जिससे किसी भी परिस्थिति में अपना जीवन यापन कर सके । यह हमारा अनुभव रहा है। गांवों में सिलाई की डिमाड बहुत रहती क्यों की वहा पर कपडा खरीद कर सिलवाते है।

यह सिलाई सेन्टर के लिए सहयोग किया पगारा वेल फेयर फाउडेशन बम्बई ने किया है। दो सिलाई मशीन दिया और सिलाई में उपयोग आने वाली सामग्री से   सितम्बर 2024 को खोला गया था। एक दो हजार रूपए में सिलाई सिखाने वाली भी रखा था वो एक सप्ताह में दो दिन आती है।

बलिकाओं ने कपडा सिलना पुराने कपडों से सिखा है। आधारशिला में आसपास के शहर के लोग अपने घर के पुराने कपडे देकर जाते है। जिससे हम लोग काटाकर बच्चों के नाप के बनाकर पहनादेते है। इसबार बालिकाओं ने उससे सिलाई किया और बालिकाओं के लिए भी सिलकर पहनाया है। थ्सलना सिखा सलवार कुर्ता , ब्लाउ, लहगा, फ्राक , आदि सिलना सिखा है। सभी बालिकाओं ने नही 10 बालिकाओं मेंसे 5 बालिकाओं ने ही सिखा है।

योजना का नाम लाडली इन्होने ही कपडा भेजा है। जनवरी माह में कहते है। सभी बालिकाओं का एक समान ड्रेस होना चाहिए और बालिकाऐं ही सिलेगी सभी बालिकाओं के कपडे तब बलिकाओं ने कहा हा ह सिल सकती है। और बालिकाऐ ंतो नियमित स्कुल जाती है इन 5 बालिकाओं की परीक्षा हो गई तब यह सिलाई सिख रही है। और इन्होने ने ही 15 दिन में 28 सलवार सुट बना दिया है।

यह है इनका दिमाक और कौशल बस इनको अवसर देने वाला चाहिए।

कम्पुटर सेन्टर पगारा फाउन्डेशन द्वारा आधारशिला को सहयोग

आधरशिला की बालिकाओं की मेहन्त और लगन देखते हुए बम्बई की पगाारा सस्थां द्वारा आधारशिला को चार कम्पुटर दिया है। इसके उधघाटन के लिए रिबन काटने को स्थानिय सरंपच को आमत्रित किया गया था। सरपचं श्री मति गोपी भील और प्रकाश खटीक दोनो को बुलाया गया साथ में रोहित जैन

जो पत्रकार इडिया स्तर का है। इन सब ने मिलकर रिबन काट कर सेन्टर का सुरूआत किया गया था।

अब बालिकाऐं कम्पुटर चलाना सिख रही है चित्र बनाना सबसे पहले सिखा अब इन्टरनेट का कनेशन ले लिया अब बालिकाऐं नेट खुद चलाकर पढाई करती रहती है अपने विषय की इससे बालिकाऐं बहुत ही खुश है।

प्रतिरोध संस्था में बालिका के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का किया उद्घाटन

उमेश तिवारी/कंट्री विजन/भदेसर

भदेसर उपखण्ड क्षेत्र के धीरजी का खेड़ा ग्राम पंचायत के अमरपुरा में प्रतिरोध संस्था में पगारिया वेल्फेयर फाउंडेशन मुम्बई की मदद से कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ किया गया। प्रतिरोध संस्था के सुमन चौहान ने बताया की निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन धीरजी का खेड़ा सरपंच मोहनी बाई, सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश चन्द्र खटीक और कुंथना सरपंच गोपी बाई भील के द्वारा फीता काटकर शुरू किया गया। पगारिया वेल्फेयर फाउंडेशन मुम्बई ने 4 कम्प्यूटर सेट और 2 सिलाई मशीन भेंट की। धीरजी का खेड़ा सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश चन्द्र खटीक ने बताया कि बालिका को कम्प्यूटर शिक्षा देना अच्छी पहल है। संस्था बालिकाओं की शिक्षा पर अच्छा कार्य कर रही है। बीआरपी जिलाध्यक्ष इनुश मोहम्मद शेख ने बताया कि कम्प्यूटर शिक्षा वर्तमान और भविष्य के लिए बेहद अहम है। इससे बालिकाओं को अच्छी और तकनीक युक्त शिक्षा मिलेगी। इस अवसर पर दिल्ली से आये रोहित जैन, मनीष डडवाल, प्रखर भार्गव, धीरजी का खेड़ा सरपंच मोहनी बाई, कुंथना सरपंच गोपी बाई, प्रेमलता भाटी, गीता सालवी, नारायणी, नारायण, शम्भु भील, मोहनी बाई, सीमा, सोनिया, मधु एवं बालिकाएं आदि उपस्थित थी।

बजिकाओं द्वारा आंगन में रगोली बनाती हुई।

बालिकाऐं परीक्षा देती हुई विशेष बात यह परीक्षा पेपर बालिकाओं द्वारा ही बनाया और बलिकाऐं ही ले रही है। इस तरह की गतिविधिया बालिकाओं से कराते रहते बडी बालिकाऐं इसका सचांलन बडे अच्छे तरीके से करती रहती है।

खेल प्रतियोगिता

आधार शिला की बालिकाओं ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया । प्रथम बार भाग लिया ब्लोक स्तर पर यहा पर बालिकाऐं प्रथम स्थान पर रही खो खो खेल खेलने में दौडने में कबडी में दुसरे स्थान पर रही । तब शिक्षा विभाग द्वारा कोच भेजा गया की इनको जिला स्तर पर खेलाने की तैयारी करवाना है। कोच गया और बच्चों को देखा और बोला यह बच्चें आगे नही खेल सकते है यह तो बहुत छोटे है। इस लिऐं इनको तैयारी नही करा सकता यह कह कर कोच साहब चले गए तब स्कुल के अध्यापको ने कहा टीम को हम लोग तैयारी कराकर खेलाएगे हम और ज्यादा तैयारी करेगे। फीर इस टीम को जिला स्तर के टुनामेन्ट के खेल में उतारा गया। और इन बालिकाओं ने अपना कौशल दिखाया मैदान में सभी खेलो को छोडकर इनके खेल को देखने इक्ठा हो गए खेल इनका इतना

रोचक बन गया। और यह प्रथम स्थान हासिल कर लिया खो खो खेल में बालिकाओं ने जोश के साथ अपना प्रर्दशनकिया था।

यह चारू बालिका आधारशिला की है सभी अध्यापक इनको समानित कारहे है।

दुसरी फोटो में 10 बालिका आधर शिला की है।

यह अनिता है पुरे खेल की मैन खिलाडी कक्षा 5 की छात्रा है। अमरपुरा से 10 किलो मीटर की दुरी पर इसका गांव मगरदा है परिवार की स्थिति बुत कमजोर 4 बहने एक भाई है। यह काफी होनहार बालिका पढाई में खेलने में नित्य और नाटक में प्रत्यतेक गतिविधियों में भाग लेती है।

अभी अध्यापक कह रहे थे अनिता ने ही खेल को रोचक बना दिया आखरी वक्त में 13 मिन्ट तक इसने अकेले ने ही खेला और अपनी टीम को जीत हासिल करवाया । आधारशिला की बालिकाओं की विशेषता रहती है वो अपना निर्णय खुद लेती है किस खेल में भाग लेना 15अगस्त 26 जनवरी जैसे राष्ट्रींय पर्व हो अन्य कोई भी उत्सव हो तो हर्ष हुलास से भाग लेती है। अपना नाम खुद ही लिखा देगी । वापस आकर बोलेगी की मैनै इस कार्यक्रम में भाग लिया है। अब हमको इसकी तैयारी कारना है। फीर क्या अपनो से करती है तैयारी अपनी दीदी की भी मदद लेती रहती है। बच्चा है। सिखता बहुत जल्दी है।

इसका नाम अन्शु है इसने दौडने में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह भी कक्षा 5 की छात्रा है। बोलती बहुत कम है शांत सहभाव की है नही किसी से झगडा पढने में प्रथम स्थान पर है। अन्शु प्रतापगढ जिले की रहने वाली है।

इन बालिकाओं को इनके स्कुल से मिला इनाम 26जनवरी2025 के दिन पुरे गॉव के सामने सम्मानित किया गया था।

यह केशर मीणा निवासी केशरिवाद धरिवाद उम्र 14 वर्ष कक्षा 8 की छात्रा है। अपने स्कुल में सबसे ज्यादा पढने में होशियार है पुरा स्कुल में प्रथम स्थान पर रही है। इसको यह एवाड मिला स्कुल की तरफ से केशर बहुत खुश है।

इसका नाम अन्शु है यह कक्षा 5 में पढाई करती है। इसको भी इनाम इसलिए मिला की अन्शु प्रथम स्थान पर पढने में बहुत होशियार है। अभी इसने खेल प्रतियोगिता में 100 मीटर की दौड में अपने स्कुल में प्रथम स्थान पर रही है।

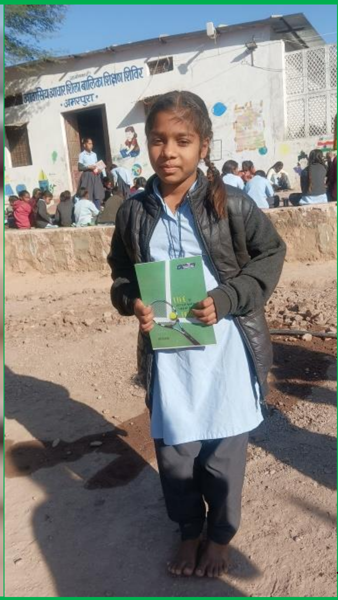यह राधा भील उम्र 9 वर्ष क्क्षा 4 में पढती है इसके साथ नैहा मीणा दोनो को पढाई के साथ राईटिग अच्छी लिखने के लिए मिला है। इनाम में राधा को पानी की बोतल मिला और नेहा को कॉपी पैन मिला है। ईनाम चाहे छोटा हो या बडा पर ख़ुशी तो बराबर मिलती द

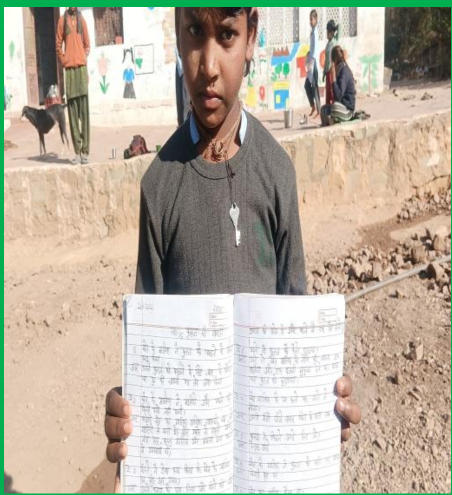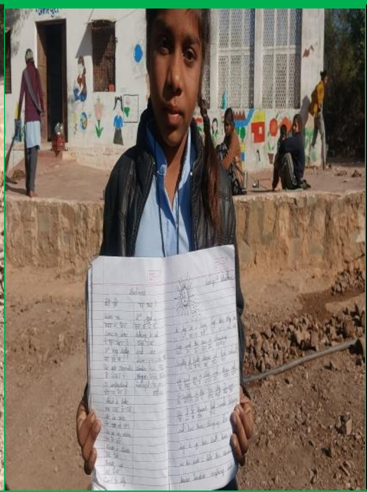

यह उदी है इसकी उम्र 14 वर्ष है। इसके अन्दर भी बहुत प्रतिभा है गाने का डासं करना नाटक करना आदि। इस ने 26 जनवरी को डास किया उसके लिए प्रथम रही है।

1 आधारशिला आवासिय बालिका शिवीर गांव अमरपुरा

क्रम संख्या	बालिका का नाम	माता / पिता का नाम	गांव	कक्षा
1	पुजा भील	उदीबाई / राजु जी भील	पालखेडी	3
2	अन्नु भील	निमाबाई / कन्यालाल	उम्मेदपुरा	2
3	दुर्गा भील	सपनाबाई / रतनलाल	पालखेडी	2
4	काजल भील	शकरीबाई / राजु जी	उम्मेदपुरा	2
5	काजल भील	गंगाबाई / भैरूलाल भील	भीलोकाखेडा	3
6	ललिता भील	शान्तिबाई / नारायनजी	भीलोकाखेडा	3
7	आरूषी लौहार	खुशीबाई / गोपालजी	बडोदिया	2
8	शिवागी लोधा	निर्बदाबाई / रोशनलाल	जीतावास	2
9	पायल लोधा	प्रेमबाई / मोतीलाल	जीतावास	3
10	काजल लोधा	कैलाशीबाई / शंकर लाल	रामतली	3
11	कोमल नायक	टीनाबाई / मुकेशजी	सॉवरिया जी	2
12	पायल नायक	लक्ष्मीबाई / राजुलाल	सॉवरिया जी	2
13	ललिता जोगी	सुगनाबाई / हिशनलाल	चिकराडा	3
14	पायलकॅवर	पुष्पाकवर / रामचन्द्रसिह	मगरदा	4
15	मनिषाभील	लीलाबाई / प्रभुलाल	पालछा	4
16	साक्षी लोधा	वर्दीबाई / प्रभुलाल	उचनारकला	4
17	तारा लोधा	शकुतलाबाई / रतनला	उचनारकला	4
18	राधा भील	कंकुबाई / कन्हैयालाल	पालखेडी	4
19	अजंली भील	कंकुबाई / कन्हैयालाल	पालखेडी	3
20	लक्षीता माली	सतोंषबाई / नारायन लाल	अमरपुरा	2
21	ज्योति मीणा	डाल्कीबाई / अनिल जी	उदयपुर	5
22	ममता जोगी	देवबाई / भैरूलाल जी	चिकाडा	5
23	तन्नु लोधा	वर्दीबाई / पतुलाल जी	उचनारकला	5
24	प्रांजल लोधा	शकुतलाबाइ / रतन लाल	उचनारकला	5
25	शिल्पा भील	लीलाबाई / प्रभुलाल	पालछा	5
26	अन्शुमीणा	मीनाबाई / धुलेलाल जी	केशरियावाद	5
27	नेहामीणा	लोमरीबाई / रमेशचन्द	केशरिया	5

		द्र जी	वाद	
28	कोमल कंवर	विष्णुकवंर / भजनलालजी	मगरदा	5
29	चांदीभील	केशरबाई / बाबरूलाल	कोशिथल	5
30	अनुमीणा	पुसकीबाई / भवंरलाल	केशरियावाद	5
31	सोसर रेगर	सोहनीबाई / भवंरलाल	मगरदा	5
32	तुलछीभील	प्रेमीबाई / शंकरलाल	कुरेठा	5
33	कृष्णा लोधा	ममताबाई / रमेशलाल	उचनारकला	5
34	गोतीमीणा	रूपलीबाई / नारायणलाल	सुईयाखेडा	5
35	पुष्पाभील	पारसबाई / माधुलाल	कुमारखेडा	5
36	अनिताकंवर	मानाकंवर / ईश्वरसिहं	मगरदा	5
37	पायलमीणा	गंगाबाई / लालुराम	खुता	6
38	सपना मीणा	कालुबाई / रमेशचन्द्र	देवला	6
39	काजल मीणा	गंगाबाई / धारजी	बगतपुरा	6
40	गुडियॉ मीणा	लिलाबाई / नारायणलाल	खुता	6
41	निकिताकंवर	मानाकंवर / ईश्वरसिहं	मगरदा	8
42	बेबीकवंर	विष्णुकवंर / भजनलालजी	मगरदा	8
43	हीराभील	पुष्पाबाई / अम्बालाल	पालखेडी	10
44	ललितारेगर	सोहनीबाई / भवंरलाल	मगरदा	10
45	उदीमीणा	जातलीबाई / सीतारामजी	केशरियावाद	8
46	केशर मीणा	दुर्गाबाई / मेघराजजी	केशरियावाद	8
47	कान्ताभील	पुष्पाबाई / अम्बालाल	पालखेडी	11
48	आशामीणा	हुरेजबाई / गोपालजी	नाड	12
49	पुजामीणा	मिठुबाई / उकारलाल	केशरियावाद	12
50	गायत्री नायक	ईन्द्राबाई / पप्पुलालजी	उचनारकला	11
51	भगवतीमीणा	बालकीबाई / कमलाशंकर	केशरियावाद	9
52	तनुमीणा	गंगाबाई / धारजी	बगतपुरा	कालेज
53	पुजाभील	उदीबाई / श्यामलाल	भीलोकाखेडा	7
54	अनुभील	गोपीबाई / कैलाशलाल	सगेसरा	4
55	गीता भील	कमलाबाई / शंकरलाल	सगेसरा	3
56	अन्जु भील	कमलाबाई / शंकरलाल	सगेसरा	3
57	आरतीभील		गणपतखेडा	3

58	सुशिला भील		गणपत खेडा	3
59	कला भील		भैरूखेडा	2
60	सपना भील		पालछा	10
61	रतनी भील		गणपतखेडा	3
62	सुनिता कंवर		मगरदा	2
63	रविना जोगी		चिकाडा	2
64	रर्चना नायक		कुरेठा	2

2